चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Svera **Date: 28-02-2023**

लड़कियां पढ़ाई के साथ-साथ हर क्षेत्र में कर रही हैं नाम रोशन : कुलपति

सवेरा न्यूज/नरेंद्र

जींद, 27 फरवरी : चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय महिला महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर विश्व चैंपियन, स्वर्ण पदक विजेता एवं राष्ट्रीय रिकॉर्ड हौल्डर, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी 95 वर्षीय भगवानी देवी डागर रही। उन्होंने अपने एक ही वाक्य पढ़ो लिखो, बनो महान, खेलोगे, कूदोगे बनोगे लाजवाब से सभागार में मौजूद सभी मेहमानों का दिल जीत लिया। भगवानी देवी डागर के पौत्र ने उनकी जीवन यात्रा के कुछ अहम पलों को सभी से साझा किया। महोत्सव के चीफ पेटर्न कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि भगवानी देवी हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने 95 वर्ष की उम्र में भी खेलों में यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने गृहस्थ जीवन के साथ गांव में रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की है। हम सभी के लिए भगवानी देवी का हमारे विश्वविद्यालय में आना हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खेलों के साथ-साथ हर क्षेत्र में लड़कियों ने अपना नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के पैटर्न कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हर वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाते हैं। इन दो दिनों में महिलाओं की काबिलियत की छठा विश्वविद्यालय में देखने को मिलेगी। महिलाएं इस समय हर क्षेत्र में अग्रसर हैं। कार्यक्रम के निदेशक एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एस के सिन्हा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय कुछ वर्ष पहले ही स्थापित हुआ है और 8 से 9 वर्ष में ही विश्वविद्यालय ने बहुत उपलब्धियां हासिल की हैं, चाहे वह खेल क्षेत्र हो, शैक्षणिक क्षेत्र हो या सांस्कृतिक क्षेत्र हो। हर क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने खुद को अग्रणी रखा है। कार्यक्रम की संयोजिका डा. निशा द्योपा ने एक काव्य पाठ का गायन कर सभी को जोश व उल्लास से भर दिया और कहा कि इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम- एंब्रेस इक्विलिटी है और तीन रंग जामुनी, सफेद व हरा महिला दिवस को प्रदर्शित करते हैं। प्राध्यापिका डा. पल्लवी ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में पहुंची वयोवृद अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी भगवानो देवी का स्वागत करते कुलपति व कुलसचिव।

इन प्रतियोगिताओं का किया जा रहा है आयोजन

कार्यक्रम में प्रथम दिन एथनिक फैशन शो, रंगोली, फीमेल मास्टर शेफ व मेक-अप प्रतियोगिताएं आयोजित की गई है। कार्यक्रम के दूसरे दिन लेमन रेस, मटका रेस, मेहंदी लगाओ, वाद-विवाद भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar ujala **Date: 28-02-2023**

सीआरएसयू में महिला महोत्सव शुरू, छात्राओं को किया जागरूक

संवाद न्यूज एजेंसी

95 साल की खिलाड़ी भगवानी देवी बोली-पढ़ने से बनोगे महान, खेलने-कूदने से बनोगे लाजवाब

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) में सोमवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्व चैंपियन स्वर्ण पदक विजेता एवं राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर 95 वर्षीय भगवानी देवी डागर रहीं। उन्होंने अपने एक ही वाक्य पढ़ो लिखो, बनो महान खेलोगे, कूदोगे बनोगे लाजवाब का संदेश दिया।

इस अवसर पर वीडियो के माध्यम से मुख्य अतिथि की उपलब्धियों और नृत्य के शौक से अवगत करवाया गया। भगवानी देवी डागर के पौत्र ने उनकी जीवन यात्रा के कुछ अहम पलों को सभी से साझा किया। इस दौरान विशेष तौर पर पहुंचे कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि भगवानी देवी हम सभी के लिए प्रेरणा की स्त्रोत हैं। उन्होंने 95 वर्ष की उम्र में भी खेलों में यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने गृहस्थ जीवन के साथ गांव में रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की है। हम सभी के लिए भगवानी देवी का हमारे विश्वविद्यालय में आना हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता है और आज की सबसे बेहतर मुख्य अतिथि हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खेलों के साथ में लड़कियों ने हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन किया है। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हर वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाते हैं। इन दो दिनों में महिलाओं की काबिलियत की छठा विश्वविद्यालय में देखने को मिलेगी। महिलाएं इस समय हर क्षेत्र में अग्रसर हैं। कार्यक्रम के निदेशक एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एसके सिन्हा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय कुछ वर्ष पहले ही स्थापित हुआ है। कार्यक्रम की संयोजिका डा. निशा द्योपा ने एक काव्य पाठ का गायन कर सभी को जोश से भर दिया और कहा कि इस वर्ष की अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम एंब्रेस इक्विलिटी है और तीन रंग जामुनी, सफेद व हरा महिला दिवस को प्रदर्शित करते हैं। महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं और लड़कों का हरक्षेत्र में मुकाबला कर रही हैं। इस दौरान एथनिक फैशन शो, रंगोली, फीमेल मास्टर शेफ व मेक-अप प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं। इसके अलावा मंगलवार को लेमन रेस, मटका रेस, मेहंदी लगाओ, वाद-विवाद भाषण प्रतियोगिता आयोजित होंगी। इसमें मुख्यातिथि ल सर्जन डॉ. मंजू कादियान रहेंगी।

महोत्सव में पहुंचीं मुख्यातिथि भगवानी देवी डागर और अन्य। द्विप्ति

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 28-02-2023**

हौसले को सलाम

पदक के लिए पोलैंड में दौड़ेंगी 95 साल की भगवानी, एक साल में जीत चुकी हैं 95 पदक

95 साल की भगवानी देवी में 16 साल जैसा जज्बा

सतीश जागलान

जींद। कहते हैं जब जज्बा मजबूत हो तो मंजिल जरूर मिलती है। यही कुछ कर दिखाया है 95 साल की एथलीट भगवानी देवी डागर ने। उम्र को दरकिनार कर वह कई प्रतियोगिताओं में एक साल में 95 पदक जीत चुकी हैं। अब वे मार्च में पोलैंड में होने वाली वर्ल्ड एथलीट चैंपियनशिप में देश को पदक दिलाने के लिए दौड़ेंगी। सोमवार को उन्होंने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय पहुंचकर छात्राओं में जोश भरा। उन्होंने कहा कि यदि खिलाड़ी में जज्बा और हौसला हो तो वह उम्र के किसी भी पड़ाव में नाम चमका सकता है।

मूलतः दिल्ली के नजफगढ़ के निकट मलिकपुर गांव निवासी भगवानी देवी ने 29 जून से 10 जुलाई 2022 तक फिनलैंड में हुई वर्ल्ड मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। इसी चैंपियनशिप में भगवानी देवी ने शॉटपुट में कांस्य पद और डिस्कस थ्रो में भी कांस्य पदक कब्जाया था। इस चैंपियनशिप में भगवानी देवी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। 26 अप्रैल से 2 मई 2022 को चेन्नई में हुई 42वीं नेशनल मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ और शॉटपुट में भी स्वर्ण पदक जीता। डिस्कस थ्रो में भी स्वर्ण पदक उन्हें मिला था।

हाल ही में 14 से 18 फरवरी तक कोलकाता में हुई 43वीं नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भगवानी देवी ने 100 मीटर दौड़, शॉटपुट और डिस्कस थ्रो तीनों प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते। 1 से दो अप्रैल 2022 को दिल्ली में हुई मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी 100 मीटर दौड़, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो व जैवलीन थ्रो में स्वर्ण पदक जीता। 17 दिसंबर 2022 को दिल्ली में हुई मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी दादी भगवानी देवी ने 100 मीटर दौड़, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो तीनों में स्वर्ण पदक जीते हैं।

मन और हौसला मजबूत हो तो मंजिल दूर नहीं

जींद : दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेतीं भगवानी देवी। *फाइल फोटो*

भगवानी देवी सुबह 11 बजे जब चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय पहुंचीं। भगवानी देवी ने छात्राओं में जोश भरते हुए कहा कि यदि वे मेहनत और जज्बे के साथ किसी काम को अंजाम देने की ठान लें तो वह हर हाल में पूरा होगा। कोई काम जब तक ही भारी दिखता है जब तक उसे मन से नहीं करेंगे। जिस दिन मजबूत मन और हौसले के साथ उसे पूरा करने की ठान लोगे तो मंजिल जरूर मिलेगी। कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने बताया कि 95 वर्षीय भगवानी देवी छात्राओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं, इसलिए हर छात्रा को अपने जीवन में उम्र के पड़ाव को छोड़कर हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: PUNJAB KESRI **Date: 28-02-2023**

पंजाब केसरी TUE,28 FEBRUARY 2023
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

सी.आर.एस.यू .में पहुंची स्वर्ण पदक विजेता भगवानी देवी डागर

जींद, 27 फरवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला महोत्सव का शुभारंभ किया गया।

इसकी मुख्य अतिथि विश्व चैंपियन, स्वर्ण पदक विजेता एवं राष्ट्रीय रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी 95 वर्षीय भगवानी देवी डागर रहीं। उन्होंने अपने एक ही वाक्य "पढ़ो लिखो, बनो महान, खेलोगे, कूदोगे बनोगे लाजवाब से सभागार में मौजूद सभी मेहमानों का दिल जीत लिया।

इस अवसर पर वीडियो के द्वारा मुख्य अतिथि की उपलब्धियों व नृत्य के शौक से अवगत करवाया गया। भगवानी देवी डागर के पौत्र ने उनकी जीवन यात्रा के कुछ अहम पलों को सभी से सांझा किया।

महोत्सव के चीफ पेटर्न कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि भगवानी देवी हम सभी के लिए प्रेरणा की स्त्रोत हैं। उन्होंने 95 वर्ष की उम्र में

कार्यक्रम को संबोधित करती अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भगवानी देवी डागर। (ऋषि)

भी खेलों में यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने गृहस्थ जीवन के साथ गांव में रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की है।

हम सभी के लिए भगवानी देवी का हमारे विश्वविद्यालय में आना हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खेलों के साथ में लड़कियों ने हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के पैटर्न कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हर वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाते हैं। इन दो दिनों में महिलाओं की काबिलियत की छठा विश्वविद्यालय में देखने को मिलेगी। महिलाएं इस समय हर क्षेत्र में अग्रसर हैं।

कार्यक्रम के निदेशक एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. एसके सिन्हा ने कहा कि यह विश्वविद्यालय कुछ वर्ष पहले ही स्थापित हुआ है और 8 से 9 वर्ष में ही विश्वविद्यालय ने बहुत उपलब्धियां हासिल की हैं। हरियाणा महोत्सव, अंतरराष्ट्रीय महिला महोत्सव हर वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

कार्यक्रम की संयोजिका डा. निशा द्योपा ने एक काव्य पाठ का गायन कर सभी को जोश व उल्लास से भर दिया और कहा कि इस वर्ष की अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम - "एंब्रेस इक्विलिटी" है और तीन रंग जामुनी, सफेद व हरा महिला दिवस को प्रदर्शित करते हैं। कार्यक्रम संयोजिका ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई हैं, जिनमें एथनिक फैशन शो, रंगोली, फीमेल मास्टर शेफ व मेक-अप प्रतियोगिताएं आज आयोजित की गई हैं व शेष 5 प्रतियोगिताएं लेमन रेस, मटका रेस, मेहंदी लगाओ, वाद-विवाद भाषण प्रतियोगिता कल आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। महोत्सव का पारितोषिक समारोह कल आयोजित किया जाएगा।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik jagran **Date Date: 28-02-2023**

सीआरएसयू में अंतरराष्ट्रीय महिला महोत्सव का किया शुभारंभ

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भगवानी देवी सम्मानित करते कुलपति डा. रणपाल। जागरण

जागरण संवाददाता, जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में सोमवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी 95 वर्षीय भगवानी देवी डागर रहीं। इस अवसर पर वीडियो के द्वारा मुख्य अतिथि की उपलब्धियों और नृत्य के शौक से अवगत करवाया। भगवानी देवी डागर के पौत्र ने उनकी जीवन यात्रा के कुछ अहम पलों को सभी से सांझा किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि भगवानी देवी हम सभी के लिए प्रेरणा की स्त्रोत हैं। उन्होंने 95 वर्ष की उम्र में भी खेलों में यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने गृहस्थ जीवन के साथ गांव में रहकर यह उपलब्धि प्राप्त की है। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हर वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाते हैं। इन दो दिनों में महिलाओं की काबिलियत की छठा विश्वविद्यालय में देखने को मिलेगी। महिलाएं इस समय हर क्षेत्र में अग्रसर हैं। कार्यक्रम के निदेशक एवं शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रोफेसर एसके सिन्हा ने कहा कि यह विश्वविद्यालय कुछ वर्ष पहले ही स्थापित हुआ है और आठ-नौ वर्ष में ही विश्विद्यालय ने बहुत उपलब्धियां हासिल की हैं, चाहे वह खेल क्षेत्र हो, शैक्षणिक क्षेत्र हो या सांस्कृतिक क्षेत्र हो। हरियाणा महोत्सव, अंतरराष्ट्रीय महिला महोत्सव हर वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाते हैं।